अर्ज़ी | by Sonu Garg & Girish Agarwal

एक बात मुझे ये केहनी है मैंने बाबा से कह दी है
एक कीर्तन मेरे घर पर हो मेरी बाबा से अर्ज़ी है

जिस दिन कीर्तन होगा श्याम हर गली से भक्तां आएंगे
हर गली महकेगी फूलों से इस घर को खाटू बनाएंगे
फूलों के वर्षा कर देंगे और इत्र खूब बरसायेंगे
एक बात मुझे ये केहनी है मैंने बाबा से कह दी है

जिस दिन कीर्तन होगा श्याम श्रृंगार तेरा करवाएंगे
बड़े भाव से तुझको रिझाएंगे और तेरी आरती गाएंगे
तुम माल खज़ाना भर देना झोली हम फैलाएंगे
एक बात मुझे ये केहनी है मैंने बाबा से कह दी है

मेरे श्याम ज़रा इनको देखो तेरे प्रेमी अर्ज़ी लगाते हैं
हर घर में एक दिन कीर्तन हो अर्ज़ी ये गिरीश लगाते हैं
एक बात मुझे ये केहनी है मेरी बाबा से अर्ज़ी है
एक कीर्तन मेरे घर पर हो बाकि बाबा की मर्ज़ी है
बाकी फिर तेरी मर्ज़ी है .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-sonu-garg-girish-agarwal/